मोरी टेर सुनो ब्रज के वासी ओ गोवर्धन गिरधारी

मोरी टेर सुनो ब्रज के वासी,
ओ गोवर्धन गिरधारी।bd।

आये हैं हम तेरे द्वारे,
टेर सुनो जसुदा के प्यारे,
चल न कंटक पथ पर,
चलते चलते ये पग हारे,
विनय सुनो मोरी बनवारी,
ओ गोवर्धन गिरधारी।bd।

अश्रुधार सींच रहा हूँ,
है गिरधारी चरण तुम्हारे,
कौन खबर ले तुम बिन मोरी,
कौन हमारी विपदा टारे,
है करुनाकर जग हितकारी,
ओ गोवर्धन गिरधारी।bd।

भक्ति भाव की माला है बस,
और नहीं कुछ पास हमारे,
तुमसा डेटा छोड़ के है हरि,
किसके जाऊं पाव पाखरे,
'राजेन्द्र' तुम है बलिहारी,
ओ गोवर्धन गिरधारी।bd।

मोरी टेर सुनो ब्रज के वासी,
ओ गोवर्धन गिरधारी।bd।

गीतकार / गायक – राजेन्द्र प्रसाद सोनी।
8839262340

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com